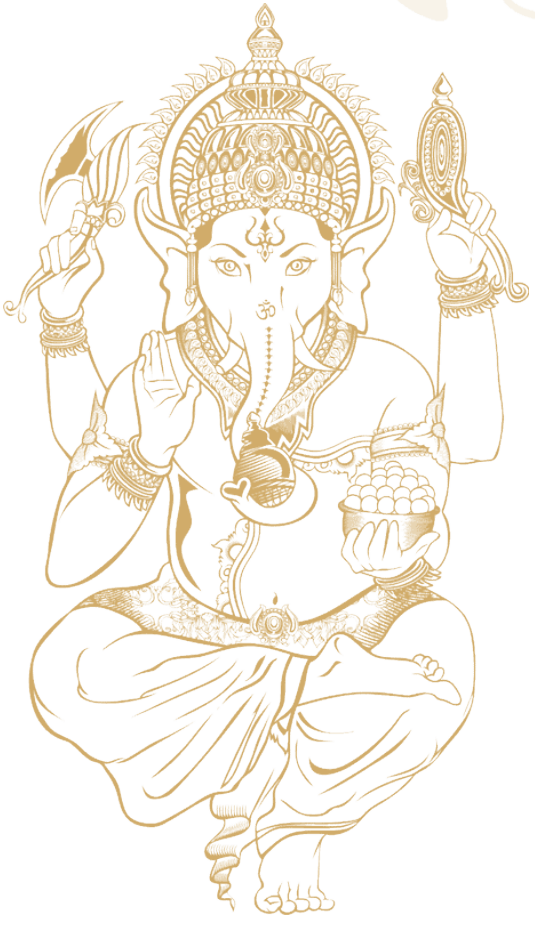

# Mr.ajendra Mishra

# Ms.ankita gautam

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119454101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119454101 Date: 15/09/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 19/09/1992 | जन्म तिथि | 15/11/1995 |
| शनिवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 21:00:00 | जन्म समय | 08:45:00 घंटे |
| घटी 37:54:50 | जन्म समय(घटी) | 06:07:56 घटी |
| India | देश | India |
| Sidhi | स्थान | Rewa |
| 24:24:00 उत्तर | अक्षांश | 24:32:00 उत्तर |
| 81:54:00 पूर्व | रेखांश | 81:18:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:02:24 | स्थानिक संस्कार | -00:04:48 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:50:04 | सूर्योदय | 06:20:26 |
| 18:01:49 | सूर्यास्त | 17:18:09 |
| 23:45:36 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:04 |

| | | |
|---|---|---|
| वृष | लग्न | वृश्चिक |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| मिथुन | राशि | कर्क |
| बुध | राशि-स्वामी | चन्द्र |
| मृगशिरा | नक्षत्र | आश्लेषा |
| मंगल | नक्षत्र स्वामी | बुध |
| 3 | चरण | 3 |
| व्यतिपात | योग | ब्रह्म |
| बालव | करण | बालव |
| का-कमल | जन्म नामाक्षर | डे-डेम |
| कन्या | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |
| शूद्र | वर्ण | विप्र |
| मानव | वश्य | जलचर |
| सर्प | योनि | मार्जार |
| देव | गण | राक्षस |
| मध्य | नाड़ी | अन्त्य |
| मार्जार | वर्ग | श्वान |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगल 3वर्ष 0मा 13दि | | 00:43:14 | वृष | लग्न | वृश्चि | 29:17:47 | बुध 6वर्ष 11मा 11दि | |
| गुरु | | 03:10:29 | कन्या | सूर्य | तुला | 28:28:21 | शुक्र | |
| 03/10/2013 | | 00:53:04 | मिथु | चंद्र | कर्क | 24:33:02 | 26/10/2009 | |
| 03/10/2029 | | 10:22:17 | मिथु | मंगल | वृश्चि | 24:36:49 | 26/10/2029 | |
| गुरु | 21/11/2015 | 06:58:17 | कन्या | बुध | तुला | 23:44:05 | शुक्र | 25/02/2013 |
| शनि | 03/06/2018 | 01:45:00 | कन्या | गुरु | वृश्चि | 25:09:10 | सूर्य | 25/02/2014 |
| बुध | 08/09/2020 | 29:30:25 | कन्या | शुक्र | वृश्चि | 20:45:29 | चन्द्र | 27/10/2015 |
| केतु | 15/08/2021 | 18:37:53 | मक व | शनि व | कुंभ | 24:14:03 | मंगल | 26/12/2016 |
| शुक्र | 15/04/2024 | 02:08:53 | धनु व | राहु व | तुला | 02:22:21 | राहु | 27/12/2019 |
| सूर्य | 01/02/2025 | 02:08:53 | मिथु व | केतु व | मेष | 02:22:21 | गुरु | 27/08/2022 |
| चन्द्र | 03/06/2026 | 20:17:19 | धनु व | हर्ष | मक | 03:22:54 | शनि | 26/10/2025 |
| मंगल | 10/05/2027 | 22:26:20 | धनु व | नेप | धनु | 29:26:04 | बुध | 26/08/2028 |
| राहु | 03/10/2029 | 27:05:55 | तुला | प्लूटो | वृश्चि | 06:22:10 | केतु | 26/10/2029 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:45:36  चित्रपक्षीय अयनांश  23:48:04**

## लग्न-चलित

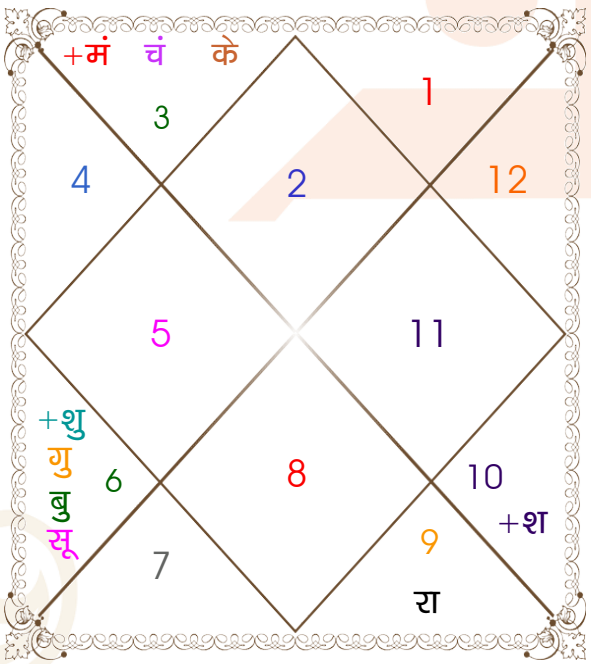


## लग्न-चलित

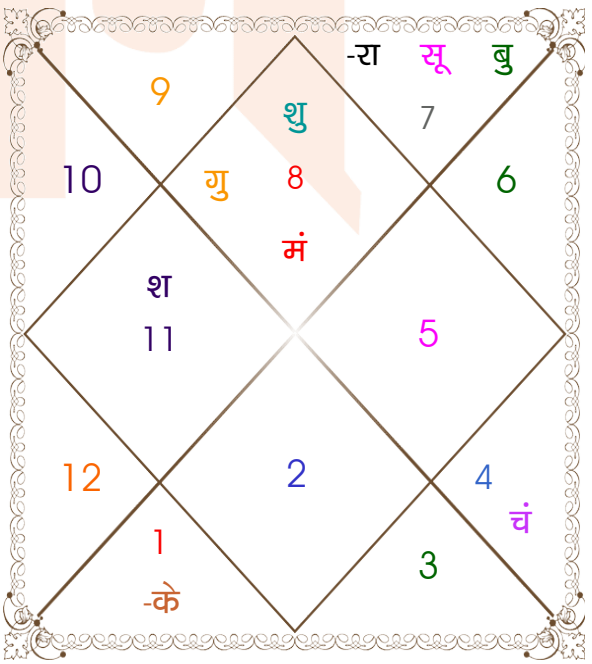

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सर्प | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | चन्द्र | 5 | 1.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मिथुन | कर्क | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 14.50 | | |

कुल : **14.5 / 36**

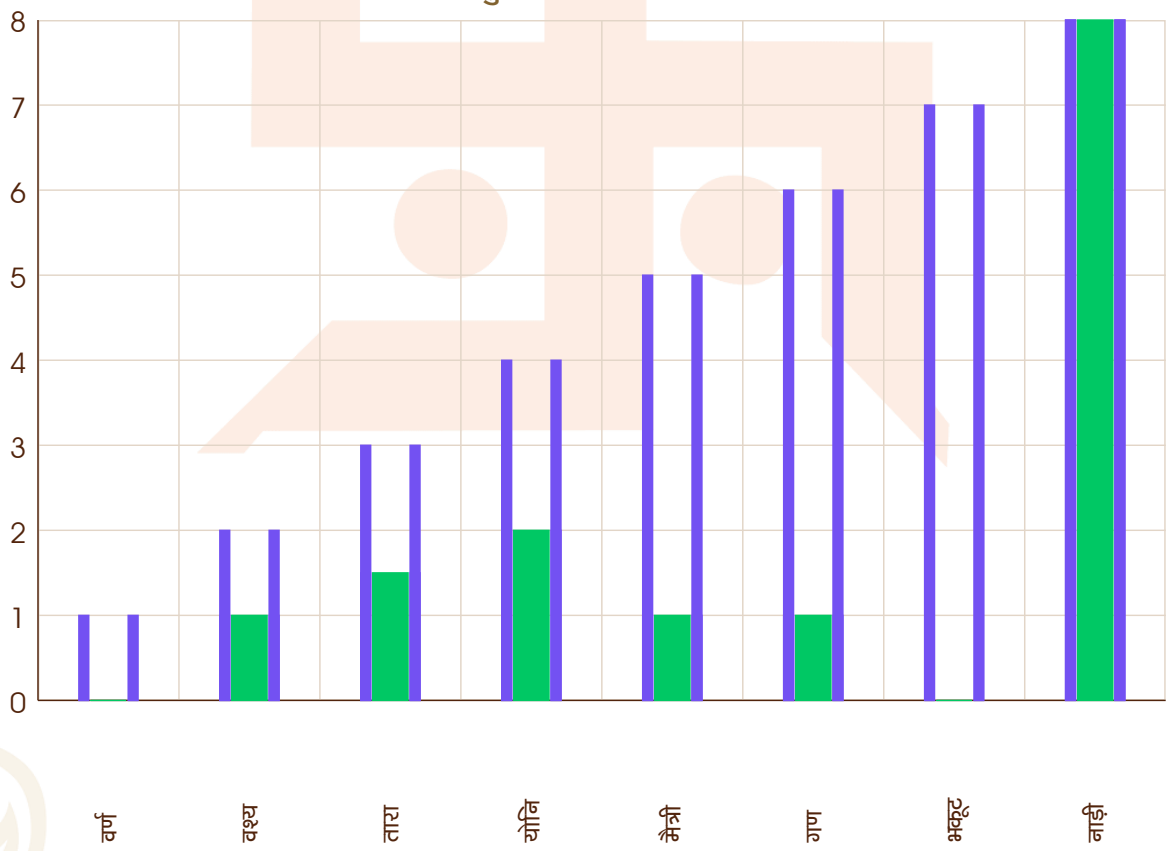

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्रमदकतं डपीतं  का वर्ग मार्जार है तथा Ms.ankita gautam का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण्रमदकतं डपीतं  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.ankita gautam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्⁄;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल  Ms.ankita gautam कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.ankita gautam कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्रमदकतं डपीतं  तथा Ms.ankita gautam में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

डतण्ंरमदकतं डपेीतं का वर्ण शूद्र है तथा Ms.ankita gautam का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.ankita gautam का वर्ण डतण्ंरमदकतं डपेीतं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms.ankita gautam हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही डतण्ंरमदकतं डपेीतं के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

## वश्य

डतण्ंरमदकतं डपेीतं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.ankita gautam का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें डतण्ंरमदकतं डपेीतं एवं Ms.ankita gautam दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः डतण्ंरमदकतं डपेीतं Ms.ankita gautam पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि डतण्ंरमदकतं डपेीतं हमेश Ms.ankita gautam के ऊपर हावी रहेगा।

## तारा

डतण्ंरमदकतं डपेीतं की तारा साधक तथा Ms.ankita gautam की तारा प्रत्यरि है। Ms.ankita gautam की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह डतण्ंरमदकतं डपेीतं एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms.ankita gautam का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms.ankita gautam के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। डतण्ंरमदकतं डपेीतं अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

## योनि

डतण्ंरमदकतं डपेीतं की योनि सर्प है तथा Ms.ankita gautam की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की

भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्ंरमदकतं डपींतं से Ms.ankita gautam का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु Ms.ankita gautam से डतण्ंरमदकतं डपींतं का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में डतण्ंरमदकतं डपींतं का राशि स्वामी Ms.ankita gautam के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में डतण्ंरमदकतं डपींतं उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, डतण्ंरमदकतं डपींतं को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

## गण

डतण्ंरमदकतं डपींतं का गण देव तथा Ms.ankita gautam का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ms.ankita gautam निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ms.ankita gautam की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

## भकूट

डतण्ंरमदकतं डपींतं से Ms.ankita gautam की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms.ankita gautam से डतण्ंरमदकतं डपींतं की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह

मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतण्रमदकतं डपीतं  गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms.ankita gautam समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतण्रमदकतं डपीतं शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

## नाड़ी

डतण्रमदकतं डपीतं  की नाड़ी मध्य है तथा Ms.ankita gautam  की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण्रमदकतं डपीतं  एवं Ms.ankita gautam के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

डतण्ंरमदकतं डपींतं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ms.ankita gautam की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में परस्पर शत्रुता तथा असमानता का भाव होता है अतः इसके प्रभाव से डतण्ंरमदकतं डपींतं एवं Ms.ankita gautam के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेगी जिससे दाम्पत्य सुख में व्यवधान रहेगा अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

डतण्ंरमदकतं डपींतं का राशि स्वामी बुध तथा Ms.ankita gautam का राशि स्वामी चन्द्र परस्पर मित्र एवं शत्रु क्षेत्री है। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से दोनों के सिद्धातों तथा जीवन के मूल्यों में अंतर रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा दोषों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे परस्पर असहमति एवं तनाव का वातावरण होगा। अतः आपस में सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही किंचित अनुकूलता प्राप्त हो सकती है।

डतण्ंरमदकतं डपींतं और Ms.ankita gautam की राशियां एक दूसरे से द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से डतण्ंरमदकतं डपींतं और Ms.ankita gautam के मध्य मानसिक भ्रातियों की उत्पति होगी जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। Ms.ankita gautam की प्रवृति आंतरिक तथा भावनात्मक असुरक्षा की भावना से युक्त रहेगी परन्तु डतण्ंरमदकतं डपींतं इस विषय में उन्हें भी किसी विशेष प्रकार का सहयोग नहीं देंगे फलतः दाम्पत्य सुख की मधुरता में न्यूनता आएगी।

डतण्ंरमदकतं डपींतं का वश्य मानव तथा Ms.ankita gautam का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर वश्य की परस्पर शत्रुता एवं असमानता होती है। अतः इसके प्रभाव से डतण्ंरमदकतं डपींतं और Ms.ankita gautam की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता में भिन्नता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने में असमर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा।

डतण्ंरमदकतं डपींतं का वर्ण शूद्र एवं Ms.ankita gautam का वर्ण ब्राहमण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भी असमानता रहेगी। डतण्ंरमदकतं डपींतं किसी भी कार्य को परिश्रम एवं गंभीरता से सम्पन्न करेंगे जबकि Ms.ankita gautam को शैक्षिणिक एवं धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रहेगी। अतः इस असमानता से भी दाम्पत्य जीवन प्रभावित रहेगा।

## धन

डतण्ंरमदकतं डपींतं और Ms.ankita gautam की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक

स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms.ankita gautam की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही डतण्रमदकतं डपीतं  भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

## स्वास्थ्य

डतण्रमदकतं डपीतं  की नाड़ी मध्य तथा Ms.ankita gautam की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से डतण्रमदकतं डपीतं  का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए डतण्रमदकतं डपीतं  को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.ankita gautam के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.ankita gautam को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.ankita gautam को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्रमदकतं डपीतं  और Ms.ankita gautam का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा

प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Ms.ankita gautam तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms.ankita gautam धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms.ankita gautam के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms.ankita gautam का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

## ससुराल-श्री

डतण्रमदकतं डपीतं के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा डतण्रमदकतं डपीतं अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी डतण्रमदकतं डपीतं का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में डतण्रमदकतं डपीतं का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि डतण्रमदकतं डपीतं तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में डतण्रमदकतं डपीतं के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।